

10/10/24

पलावली पेरा हुई। अर्धे उक्त पक्षमात्र मय
पक्षमात्र अनुपास्मित। रूक-रूक कर तीन बार
आवाजे दिलवारी मरि। सप्तम सोम 5PM से पुका हों।
अतः अर्धे उक्त पक्षमात्र मय पक्षमात्र के अनुपास्मित
रूके पर बापी का बाद एवं प्रतिवादी का प्रतिवाद अरु
हाजरी एवं अरु पंरती से खारिद बिना पाता हों। पलावली
मैसम शुमार होकर नबर से कर ले।

निर्णय सुनाया गया।

